

ये अव्यक्त इशारे

महान बनने के लिए मधुरता और नम्रता का गुण धारण करो

4-04-2026

आप महान आत्माओं का हर मंसा संकल्प हर आत्मा के प्रति मधुर हो, महान हो। जैसे बाप का स्वभाव सदा हर आत्मा के प्रति कल्याण वा रहम की भावना का है, हर एक को उंचा उठाने का, मधुरता और निर्माणता का है। ऐसे अपना स्वभाव बनाओ। अगर तेज़ बोलने का, आवेश में आने का स्वभाव है तो यह भी ब्राह्मण जीवन में बहुत बड़ा विघ्न है। अब ऐसे स्वभाव का परिवर्तन करो।

**Imbibe the virtues of sweetness and humility
to become great.**

You great souls should constantly have sweet and great thoughts for all other souls. The Father's nature for every soul is constantly benevolent. He has merciful feelings, feelings of uplifting everyone and feelings of sweetness and humility. Therefore, make your nature the same. To have the nature of speaking sharply or of becoming forceful a huge obstacle in Brahmin life. Now transform such a nature.